प्रा.डॉ. एस्.ए. गायकवाड
एम्.ए.,पी-एच्.डी.
हिन्दी विभागाध्यक्ष एवं
स्नातकोत्तर अध्यापक तथा शोध निर्देशक
कला, वाणिज्य महाविद्यालय, सातारा

- प्र मा ण प त्र -

यह प्रमाणित किया जाता है कि श्री. धनंजय शिवराम घुटुकडे ने शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम्.फिल. (हिन्दी) उपाधि के लिए **" "अज्ञेय" के उपन्यासों में चित्रित उनका जीवन विषयक दृष्टिकोण "** शीर्षक से प्रस्तुत लघु-शोध-प्रबंध मेरे निर्देशन में सफलतापूर्वक पूरे परिश्रम के साथ पूरा किया है। यह शोधार्थी की मौलिक कृति है। जो तथ्य इस लघु-शोध-प्रबंध में प्रस्तुत किये गये हैं मेरी जानकारी के अनुसार वे सही हैं। श्री.धनंजय शिवराम घुटुकडे के प्रस्तुत शोध-कार्य के बारे में मैं पूरी तरह संतुष्ट हूँ।

Shaikwad.

प्रा. डॉ. एस्.ए. गायकवाड
शोध निर्देशक

सातारा.
दिनांक : 30 दिसंबर, 1993

००

BALASAHEB KHARDEKAR LIBRARY
SHIVAJI UNIVERSITY LIBRARY KOLHAPUR

प्रा. डॉ. व्ही.के. मोरे
एम्.ए.,पी-एच्.डी.
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग,
शिवाजी विश्वविद्यालय,
कोल्हापुर

- प्र मा ण प त्र -

मैं संस्तुति करता हूँ कि इस लघु-शोध-प्रबंध को परीक्षा हेतु अग्रेषित किया जाए।

कोल्हापुर
दिनांक : 30 दिसंबर, 1993

डॉ. व्ही. के. मोरे
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
Reader and Head
Department of Hindi,
Shivaji University,
Kolhapur - 416004

000

- प्र ख्या प न -

यह लघु-शोध-प्रबंध मेरी मौलिक रचना है, जो एम्.फिल. के लघु-शोध-प्रबंध के रूप में प्रस्तुत की जा रही है। यह रचना इससे पहले इस विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्वविद्यालय की उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

कडेगाव :

दिनांक : 30 दिसंबर, 1993

श्री. डी.एस्. घुटुकडे

000

BARR. BALASAHEB KHARDEKAR LIBRARY
SHIVAJI UNIVERSITY. KOLHAPUR

SHIVAJI UNIVERSITY
LIBRARY
KOLHAPUR